

860 विद्यार्थियों-शोधार्थियों का सम्मान • मेवाड़ यूनिवर्सिटी के दीक्षांत समारोह में आए राज्यपाल

देश में हिंसा क्या संविधान का उल्लंघन नहीं, देश के प्रति कर्तव्य के बारे में भी सोचें: राज्यपाल मिश्र

भारत न्यूज | दिल्ली/नई दिल्ली/मेवाड़

प्रदेश के राज्यपाल कान्हाय्य मिश्र ने कहा कि फेडरेशन सदस्य को बात तो सभी लोग करते हैं पर अपने दुष्टों की नहीं। मेरा अपने देश के प्रति कर्तव्य है। हर पल यह सोचते हुए इसे आचरण में उतारने की जरूरत है। उन्होंने दिल्ली में हिंसा का नाम देकर बिना कहा कि देश में हिंसा क्या संविधान का उल्लंघन नहीं है। हमारा देश विश्वव्यापीय की भावना का धारक रहा है। यदि नहीं पर हिंसा होती है तो दूसरे देशों के लोग क्या कहेंगे।

राज्यपाल मिश्र इंदौर को गंगार मिश्र मेवाड़ यूनिवर्सिटी के पाँचवीं दीक्षांत समारोह में बहुरंगीय उद्घाटन संबोधन दे रहे थे। राज्यपाल ने इस कार्यक्रम में 860 विद्यार्थियों व शोधार्थियों का डिग्री देकर सम्मान किया। कहा कि अब आपको नारद्विक परीक्षा आ रही है। शिक्षा एवं रोजगार के साथ देश के प्रति जवाबदेही को समझते हुए चलना है। ऐसा विकासवादी नहीं करे जिससे देश को धुंध हो। यदि इस बात को मन में ठान लिया तो मैं विश्वास के साथ कह सकता हूँ कि दुनिया भी खड़े करेगी।

उन्होंने कहा कि शिक्षा रोजगारोन्मुखी सने। इंजीनियर स्थित अगर भी अगर कुछ ऐसा करें कि दूसरी की भी रोजगार दे सके। तभी देश के विकास में सही भागीदारी करेगा। मेवाड़ यूनिवर्सिटी के चैयरमैन अशोक गरिया, प्रिंसिपल प्रबंध एवं अकादमिक सचिव सत्यज्ज डा चौक वैध, रोहित गदिय,

भगवान राम व स्वामी विवेकानंद सहित महापुरुषों के उदाहरण देते हुए छात्रों को नसीहत और टिप्स दिए



गुरुओं का सम्मान: गुरु सम्मान की परंपरा एवं महत्त्व पर प्रकाश डालते हुए राज्यपाल ने कहा कि स्वामी विवेकानंद जब भी कहते हैं तो उल्टा कहते हैं... का प्रयोग करते हैं। रामायण की चौथा जन्म जन्म भूमिगत राजाधिराजी पर कहते हुए कहा कि भगवान श्रीराम एवं कृष्ण ने भी गुरुओं के प्रति बहुत खड़े हुए शिक्षा प्राप्त की। गुरु का सम्मान करने वाला ही जीवन में सफल होता है। जो नहीं करते हैं वे रचनात्मक कार्य नहीं कर पाते हैं।

शुद्ध को अपडेट रखें: राज्यपाल ने कहा कि अगर शुद्ध को अपडेट नहीं रखेंगे तो गुणवत्ता पर प्रभाव पड़ेगा। मूल से बेहतर आज करना है। इस पर फोकस करें। आज तो गुणवत्ता गुरु हो गई है। एक शब्द डालें और सही जानकारी आपको सम्मने। ये सब कहें से और कैसे आई। इस पर भी चिंतन करें। प्रती ध्यान नया करने की जरूरत रखे।

शब्द की ताकत: छात्रों ने जो शब्द कहे वे शब्द और बंद बने। उसी ज्ञान से शब्द की ताकत बनी। इसीलिए शब्द को सदा माना है। **संविधान:** राज्यपाल ने शुरुआत में संविधान के प्रति मूल कर्तव्य का वाचन करते हुए भी राष्ट्र की एकता एवं अखंडता सुनिश्चित करने पर जोर दिया।

29 राज्यों और 10 देशों के विद्यार्थी पद रहे हैं यहां

यूनिवर्सिटी के चैयरमैन डॉ. अशोक गरिया ने स्वागत उद्बोधन में कहा कि 2009 में इसकी शुरुआत हुई। परंपरा में 29 राज्यों व 10 देशों के 10 हजार विद्यार्थी हैं। इसमें से 400 विदेशी हैं। एक हजार विद्यार्थी छात्रावास में रहते हैं। यह देश की पहली यूनिवर्सिटी है, जिसमें एससी, एसटी, अनुसूचित जाति प्रयोग क्षेत्र के 90 प्रतिशत विद्यार्थी हैं। उन्होंने विद्यार्थियों एवं शोधार्थियों में कहा कि यह डिग्री तो कागज का टुकड़ा है। जहाँ भी जहाँ यूनिवर्सिटी का नाम भी साथ में जाएगा। इसलिए इसका मान रखें।

प्रताप का शीर्ष वाद करते हुए विद्यार्थी को नमन किया

राज्यपाल मिश्र ने किसी का शिरा करते हुए कहा कि मैं शक्ति, शक्ति, शीर्ष पराक्रम, राजा संहार, महाराज प्रताप की भूमि को नमन करता हूँ। विश्वास है कि इस यूनिवर्सिटी में निराले विद्यार्थी देश का नाम भी रोशन करेंगे। क्योंकि यूनिवर्सिटी सभी संस्थाओं से युक्त है। राज्यपाल के कुर्सी पर बैठने के बाद ही लोग सड़क पर बैठें।



दीक्षांत समारोह में डिग्री प्राप्त करने वाले विद्यार्थी और शोधार्थी।

रजिस्ट्रार डा चौकी और वी वैकट, प्रताप की प्रतिमा और विद्यार्थियों के समर्थन डापेकर हरीश गुजराती आदि ने राज्यपाल का महारण सम्मान किया। संसद सीटें जोड़ी,

पुर्व मंत्री श्रीरंज कृष्णानी, भाजपा एसएमई सरिता सिंह, एसडीएम जिलाध्यक्ष गौरव ठाक, एसबी टीएक लेजिस्लेटिव राणा, डिप्टी कुटिबंद भारीव, एडीएम मुकेश कजलत, गुजरात मीरुद बे।

शोधार्थी बोले सर प्लीज एक फोटो...यूनिवर्सिटी गेट पर ही कुर्सी लगवाकर बैठ गए राज्यपाल मिश्र



चित्तौड़गढ़। मेवाड़ यूनिवर्सिटी के दीक्षांत समारोह से लौते समय राज्यपाल कलराज मिश्र से शोधार्थियों ने कहा सर प्लीज एक फोटो...इस पर राज्यपाल ने भवन के गेट पर ही उनकी मुराद पूरी करने में हिचक नहीं की। उन्होंने वहीं साधारण कुर्सी लगवाकर उनके साथ फोटो खिंचवाया। (पेज 14 भी देखें)

फोटो- संजय शर्मा

आईएस कैडर के अधिकारी को भी मानद शोध डिग्री प्रदान विद्यार्थियों को सम्मानित किया

चित्तौड़गढ़ | मेवाड़ यूनिवर्सिटी में शनिवार को आयोजित हुए दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि राज्यपाल कलराज मिश्र रहे। समारोह में डायरेक्टर जनरल एडमिन एंड एकेडमिक एवी शुक्ला ने स्वागत उद्बोधन दिया। बीटेक की छात्रा दीक्षा कुलश्रेष्ठा, बीएससी एग्रीकल्चर के छात्र उज्ज्वल सरकार, फार्मेसी की छात्रा संगीता सिंह, मैनेजमेंट के सुहैल हमीद एवं बीएससी मैथमेटिक्स की छात्रा नवेक्षा को सम्मानित किया। मंच पर मुख्यतः पीएचडी के छात्र-छात्राओं को डिग्री वितरित की गई। इसमें नेशनल एंटी प्रोफिटैरिंग अथॉरिटी के चेयरमैन बीएन शर्मा (आई.ए.एस.) को भी मानद शोध डिग्री दी गई। स्नातक एवं स्नातकोत्तर छात्र-छात्राओं को डिग्री वितरण के लिए विभागानुसार व्यवस्था की गई। चेयरपर्सन डॉ अशोक कुमार गदिया ने स्वागत उद्बोधन दिया। प्लसमेंट डायरेक्टर हरीश गुरनानी ने बताया कि अंत में विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार डॉ. वेंकट विपीआरपी ने धन्यवाद ज्ञापित किया। संचालन वंदना चूडावत एवं राजेश भट्ट ने किया।

अधिकार के नाम पर हिंसा उचित नहीं : मिश्र



चितीड़गढ़। एका विद्यार्थी को उपाधि प्रदान करते हुए राज्यपाल व मौजूद कार्यवाहक जिला कलेक्टर, पुलिस अधीक्षक एवं सांसद।



फरोटी। जेरीश ठाकुर

चितीड़गढ़/गंगार। राज्यपाल कलराज मिश्र ने कहा कि जिस संस्थान में गुरुजनों का सम्मान होता हो, उस संस्थान को सम्पत्ता से कोई नहीं रोक सकता है। गुरुजन के प्रति सम्परा एवं श्रद्धा को भावना नहीं होने पर जीवन में रचनात्मक कार्य भी नहीं किए जा सकते हैं।

राज्यपाल ने शनिवार को निकटवर्ती मेवाड़ विश्वविद्यालय के 5वें दिशांत समारोह में उद्बोधित विद्यार्थियों आदि को संबोधित करते हुए कहा कि उन्होंने इस विश्वविद्यालय के ज्ञान में पूर्व से भी काफी कुछ जानकारी हासिल की, कि यहां सभी आधारभूत ढांचे के साथ ही संसाधन जुटाए जाते हैं, एवं शिक्षा के लिए जो भी सुविधाएं हैं, विश्वविद्यालय उन्हें प्रदान कर रहा है। इस अवसर पर उन्होंने सभी 860 उपाधि धारकों को उपाधि लिए हुए व अवार्ड एवं शुभकामनाएं प्रेषित की।

राज्यपाल ने प्रारंभ में उद्बोधित सम्प्रदायों को संबोधित की उद्देशिका को शपथ दिलाई। सर्वप्रथम शैक्षणिक

उत्कृष्टता में अजबल रहे विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया गया, जिसमें बी.टेक की छात्रा दीक्षा कुलश्रेष्ठ, बी.एस.सी. एग्रीकल्चर के छात्रा उज्जवल सारकत, फार्मेसी की छात्रा समीता सिंह, मैनेजमेंट के सुहेल हमीद एवं बी.एस.सी. मैथिलीका की छात्रा नेवेषा को सम्मानित किया। मंच पर मुख्यतः पी.एच.डी. के छात्र-छात्राओं को डिग्री प्रदान की गई, जिसमें नैशनल एंटी प्रोफिटेरिंग अधीन के चेयरमैन बी.एन. शर्मा (आई.ए.एस.) को भी मानद शोध डिग्री दी गई।

राज्यपाल ने कहा कि उपाधि देने के बाद विद्यार्थी कहीं भी रहें, लेकिन इस रास्ते, देश एवं विश्वविद्यालय की पहचान को हमेशा सर्वोपरि बनाए रखें। उन्होंने कहा कि स्वामी विवेकानंद एक बात को बार-बार दोहराया करते थे, वह कहते थे कि उठो जागो और जनकारा पुरुषों के सानिध्य में जान प्राप्त करो।

उन्होंने कहा कि कठोरनिष्ठा का यह लोक आज सभी को सम्पराण भाव से अव्ययन करने के लिए प्रेरित करता

है ऐसे भाव निरंतर मन में होगे जो जिज्ञासा को प्रवृत्ति मन में लगाता बनी रहेगी। जब तक वह भाव मन में बना रहेगा और अपने उद्देश्यों की प्राप्ति नहीं कर लेते तब तक हमें लगातार ज्ञानार्जन करना है।

उन्होंने उपाधि लेने वाले विद्यार्थियों से कहा कि वह जिज्ञासा रिसर्च करेंगे, उठने हो ना नकाबार सामने आएगी। शिक्षा का उल्लेख करते हुए राज्यपाल ने कहा कि यह ऐसा इतिहास है, जो दुनिया बदलने को तैयार रखता है।

उन्होंने कहा कि उच्च अध्ययन एक हवन आहुति के समान होता है, जिसमें अपने को अपना सर्वोत्तम लगाना पड़ता है, मेहनत करनी पड़ती है, लक्ष्य ऐसे ही प्राप्त नहीं होता है, इसके लिए लगातार मेहनत करनी पड़ती है। उन्होंने कहा कि जीत केवल पुरुषों के सानिध्य में प्राप्त हो सकती है। राज्यपाल ने श्रमों के साक्ष्य से पुरुषों की पहिना का बखान किया।

उन्होंने कहा कि किसी विश्वविद्यालय की गुणवत्ता से मानदंडों से निर्धारित होती है उच्च विश्वविद्यालय

के स्कोरमेंट एवं फैकल्टी की गुणवत्ता कितनी है। विश्वविद्यालय केवल शिक्षा की उपाधि प्राप्त करने का केन्द्र ना होकर उपाधिगत विकसित करने का केन्द्र भी होता है। उन्होंने कहा कि केन्द्र सरकार ने शिक्षा डेवलपमेंट पर पूर्ण प्रोत्साहन दिया है। अब इस दिशा में ना केवल कार्य करना है अपितु एंटीप्रोफिटेरिंग के साथ प्रकलित डेवलपमेंट का सेंटर भी विकसित करना है। शिक्षा डेवलपमेंट को ही चाहिए, प्रकलित डेवलपमेंट इतरही जब आप इसका संतुलन बना लेगे तो आपको शिक्षा स्वतः ही डेवलपमेंट को जरूर है।

राज्यपाल ने कहा कि अधिकार के नाम पर हिंसा उचित नहीं उठाना जा सकता है। विश्वविद्यालय को ऐसे छात्र तैयार किए जाने चाहिए जो नैतिक मूल्यवर्णों की कल्पना करने के साथ-साथ अपने कर्तव्यों के प्रति भी जिज्ञासु हो। शिक्षा के बाद केवल सैकरी के पीछे भागने के स्थान पर उद्यमशील बन कर अपने अज्ञा चाहिए।

इससे पूर्व मेवाड़ विश्वविद्यालय

के कुलाधिपति डॉ. अशोक कुमार गदिय ने दिशांत समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि मेवाड़ विश्वविद्यालय क्षमिण अंशतः मई 2008 में स्थापित हुआ और इसका मुख्य उद्देश्य संपूर्ण क्षमिण जिला को सेवा करना है। वर्तमान में विश्वविद्यालय में करीब 10 हजार विद्यार्थी हैं, एवं यह विश्व का सबसे विश्वविद्यालय है, जिसमें 75 प्रतिशत बच्चे एस.सी., एस.टी., ओबीसी से संबंधित हैं, और इन 75 प्रतिशत बच्चों में से 90 प्रतिशत विद्यार्थी अनुसूच अंशतः हैं।

उन्होंने कहा कि जिन विद्यार्थियों को जो डिग्री प्राप्त हो रही है, वह मानो तो बहुत कुछ है वा मानो तो उद्यम का दृक्क है। उपाधि लेने वाले विद्यार्थियों से उन्होंने कहा कि उनका ज्ञान अब इस विश्वविद्यालय से जुड़ गया है, वह जहां कहीं पर भी शिक्षा व ज्ञान के लिए कार्य कर रहा है। उन्होंने कहा कि विद्यार्थी ऐसा कोई काम ना करें जिससे अपने अध्यापकों, माता पिता और विश्वविद्यालय का नाम खराब हो।

दिशांत समारोह में सांसद सीपी जेजे, पूर्व मंत्री श्री चंद कृष्णाजी, पूर्व विभागाध्यक्ष गौतम दक, जिला पुलिस अधीक्षक दीपक भार्गव, कार्यवाहक जिला कलेक्टर मुकेश कुमार कलाल, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सतिश सिंह, उपखंड अधिकारी वैजंसी राणा साहित जन प्रतिनिधि मेवाड़ एन्ड्रोजेन सोसाइटी के अध्यक्ष गोविंद कुमार गदिया, कुलाधिपति प्रोफेसर बी.के. गेह, रजिस्ट्रार डॉ. वैकेट, प्रबंध सचिव के सरदारगण, विद्यार्थी गण एवं अधिकांश मौजूद थे। रजिस्ट्रार ने आभार व्यक्त किया।

इस अवसर पर गोविंद गदिया द्वारा राज्यपाल का शाल ओझा कर एवं स्मृति चिन्ह प्रदान कर स्वागत किया गया। राज्यपाल के विश्वविद्यालय परिसर में बज्ज एच. हेल्थीटैड पर हेल्थीकॉन्सर्ट से पहुंचने पर कार्यवाहक जिला कलेक्टर मुकेश कलाल, जिला पुलिस अधीक्षक दीपक भार्गव, अशोक गदिया, गोविंद गदिया आदि ने आपत्तों कर स्वागत किया।

युवा रोजगार देने वाला उद्यमी बनकर गांवों एवं कस्बों में कार्य करे : राज्यपाल मिश्र

» अपने कार्यों से विश्वविद्यालय का नाम रोशन करें : कलराज मिश्र » मेवाड़ विश्वविद्यालय का 5वां दीक्षांत समारोह आयोजित



चिन्ताहाट, 29 फरवरी (काया) : इस अवसर पर जल अंतर्गत के मानव संसाधन, विमान अथवा अन्य मासिक लाना पड़ता है, लेकिन कच्चे पड़ते हैं, लाने वाले के डल में लाने हैं, इसके लिए लानेवाले मानव पड़ते हैं। भोजन में अच्छी मात्रा में मानव अंतर्गत के पिछले काम है। इसी अवसर पर, प्रमुख जल अंतर्गत मानवगत प्रजन काम है। प्रजन जल एवं अंतर्गत का अधिक से अधिक लाना उठाने का प्रजन करने वाले पड़ते हैं।

यह बात जिनका वो अत्यंत
मेधाविधिमान्यता के 5 में लौटने
समय के मुझे अतिथि के रूप
में सर्वप्रथम करने हुए राजस्थान के
राजस्थान सरकार के
इसने कहा कि मुझे यह भावना थी
समय है। इस विधिमान्यता के
को मैं जानकारी दिते कि भारत में
और छत्र-छाया में अमन के लिए
और है, सर्वप्रथम जो यह करने को
है, जिस के लिए जो भी विधिमान्यता

विश्वविद्यालय उन्हें प्रवेश कर रहा है।
दुर्भाग्यवश कालांतर विश्व में हाल ही में
जर्मनी में हुई समझौतापूर्ण शिमा पर विश्व
संघर्ष करने हुए काल विश्व में स्थिति
में प्रलय अभिप्रायों की तरह चलने
की शक्त का जो जो बंध हो वो विश्व में
मध्यम की भावना प्रलय की जगह।
अनेक नयी पीढ़ी उदात्त धारणा
य आकाशवाणी उन्होंने विश्वविद्यालय को
कहा है वो एक सुनकरवाणी प्रिय की।
दुर्भाग्यवश कालांतर विश्व में समझौता
में उदात्तवादी समझौता को स्वीकार
ही प्रियता की शक्ति प्रियता। उन्होंने
कहा कि अगर अनेक जीवन में इस
विश्वविद्यालय का नाम अनेक नामों
के नामों में प्रलय को। उन्होंने
कहा कि यन्त्रों विश्वविद्यालय करने में
कि उन्हें ज्ञान और ज्ञानकर प्रत्येक के
शक्ति में प्रलय प्रलय को। उन्होंने कहा
कि ज्ञान प्रलय को करने ज्ञान प्रलय
प्रलय की धुनि पर वह विश्वविद्यालय
प्रलय विश्व प्रलय को। उन्होंने कहा
की मैं ज्ञान प्रलय, प्रलय प्रलय विश्व,
प्रलय प्रलय को धुनि को प्रलय को
प्रलय को प्रलय विश्वविद्यालय को

[illegible]

पर परिवर्तित होनी चाहिए। किसी
 विश्वविद्यालय को सुभाषण से सम्बन्धित
 हो निर्धारित होने से इस विश्वविद्यालय
 के सम्बन्धित हुए विचारों को सुभाषण
 मिलने है। उन्होंने विचारों को वे कहा
 कि आज को प्रवर्तित करने आसने हो है
 जिस ओर से पाँच, बस से चलकर
 आने और आने से चलकर जाने
 करने किता, सम्बन्धित आसने मिलने।
 उन्होंने कहा कि जिससे हुए अनुभवों
 से जिस को अपने बचपन है, नयापन
 को अपने बचपन है। जिस से कहा कि
 नयापन बचपन से कहा कि जिससे हुए
 हुए इतिहास को हो सुनिश्चित करने को
 लगाने लगाने है। विश्वविद्यालय केवल
 जिस को इतिहास प्राप्त करने का बच
 से लगाने लगाने कितापन करने का
 वेद हो किताप है। जिस लगाने लगाने
 होनी चाहिए। इस युग के लगाने हो
 लगाने को ओर लगाने है इस लगाने
 को लगाने को लगाने है। उन्होंने कहा
 कि आज का युग इतिहास साथ से
 बच लगाने लगाने, बच बच आने
 को और दूसरे युगों को हो लगाने
 लगाने का बच है। इस लगाने लगाने

पाये जाने, रोज़गार के लिए जगह तलाश में भागेंगे। अगर ऐसा सिद्धि का निर्णय सर्वोच्च न्यायाधीश का पीछे न पड़ेगा। इसमें मेरे, पीएमजी को डर नहीं, राब डेलन एवं अन्य में राब को डर है। अगर का राज्य दूसरे को भी रोज़गार देने का निर्णय है तो यह पक्षों और को अप्रत्याशित सफलता का मान्य होगा। राजस्थान में बहुत दिनों से यह है कि इस राज्य में रोज़गार सफलता में 800 विधायक और संसदीय परिषद शामिल कर तर्जिमा प्रस्तुत हो। उन्होंने कहा कि यह है कि संसद विधायकता को परिषद को, असादी परिषद में अब कुछ होने वाले है, अगर सफल का जवाब है, यह को जवाब है, इस विधायकता का जवाब किया देना होगा, यह मान्यता है।

मेहराठ विधायकता का जवाब सुनने के बाद, अंतर्गत राजस्थान में रोज़गार सफलता को मान्यता प्रस्तुत है, उनके अर्थव्यवस्था एवं अन्य रूप में सफलता का सफल एवं अर्थव्यवस्था दिया। उन्होंने कहा कि मेहराठ विधायकता सफलता प्रस्तुत है।

ये सन 2008 में स्थापित हुए और इसका मुख्य उद्देश्य संयुक्त प्रार्थना तथा सोम कर्म करना है। अपने विधिविधान में ये करीब 10 हजार विद्यार्थी हैं। उन्होंने कहा कि यह इसका पहला विधिविधान है जिसमें 75 प्रतिशत बच्चे एससी, एसटी, ओबीसी और बर्धनशिलों से तैयार रहते हैं और इन 75 प्रतिशत बच्चों में से 90 प्रतिशत बच्चे ग्रामीण अंचल से तैयार रहते हैं। उन्होंने बताया कि इस विधिविधान में 29 समूहों में बच्चे होते हैं। 12 अन्य समूहों के बच्चे अभ्यर्थन करते हैं। यह सभी विद्यार्थी ग्रामीण परिवारों से तैयार रहते हैं। यह पहला ऐसा विधिविधान है जिसकी प्रस्ताव में बच्चों का यह पक्ष है। उन्होंने कहा कि इन विद्यार्थी पर शिक्षा, स्वास्थ्य, निवास, भोजन, कपड़ों की शिक्षा, अनुसूचित जाति शिक्षा देने में विधान पर ध्यान दें। उन्होंने राज्यपाल राजा राम मोहन सिंह का टीका समारोह में भला होने पर अपना कृतज्ञता व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि विधिविधान को संवर्धित करने का हमारा लक्ष्य है। उन्होंने कहा कि अक्सर हम अंध

विश्वविद्यालय से जुड़ गए थे। अ
जब कहीं गए थे तबने विश्वविद्या
अपने साथ लाया। वो काम अ
करने उसने विश्वविद्यालय पीएच
डॉस कि अगर वहां से पढ़े हो, मे
से अपने बेटुलान लिया है। उनके
कहा कि पिछले एक बरस का
न करे जिससे अपने अध्ययन
काह रहा और विश्वविद्यालय
रक्त चढ़ने हो। उन्होंने कहा कि मे
पहले विश्वविद्यालय है जहां वह 2
माहसुखों को जलियां भुझा
मरवा जहाँ है। हम अपने अपने
समर्थन, अपनी देशप्रेम एवं मे
के जन्मे को हर बालक में भाते
अपने जन्म करी है और मुझे खु
है कि वह सब अपने पीछेला
होता है।

[illegible]



पितीइगढ़। समारोह को संबोधित करते व उपाधि से सम्मानित करते राज्यपाल व समारोह में मौजूद अधिकारी व अन्य।

पेड़

ऐसे छात्र तैयार करें जो नैतिक मानदण्डों के साथ कर्तव्यों के प्रति भी निष्ठावान हो : राज्यपाल

पितीइगढ़ (प्रातःकाल संवाददाता)। राज्यपाल कलराज मिश्र ने कहा कि विश्वविद्यालय ऐसे छात्र तैयार करें जो नैतिक मानदण्डों की पालना करते हुए अपने कर्तव्यों भी निष्ठावान हो वहीं शिक्षा ऐसी प्रदान की जाये कि यहां से डिग्री लेकर निकलने वाले छात्र नौकरी मांगने के बजाय उद्यमशील बनकर दुसरो को नौकरी देने लगे। राज्यपाल मिश्र शनिवार को मेवाड विश्वविद्यालय के पंचम दिशांत समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि शिक्षा उद्यमिता को बढ़ावा देने वाली होनी चाहिए। मिश्र ने

कहा कि लक्ष्य प्राप्त करने के लिए मेहनत करनी पड़ती है तथा सफलता का मानक निर्धारित करना होता है। उन्होंने कहा कि शोध व अनुसंधान नवाचार को आगे बढ़ावा है वहीं शिक्षा भी रोजगारोन्मुखी होनी चाहिए। दीक्षांत समारोह में विश्वविद्यालय के 860 विद्यार्थियों का सम्मान करते हुए उन्होंने कहा कि उनके जीवन की असली परीक्षा अब शुरू होगी। नेल्सन मंडेला ने कहा था कि शिक्षा एक ऐसा हथियार है जो दुनिया बदलने की ताकत रखता है। विश्वविद्यालय केवल शिक्षा की उपाधि प्राप्त करने का केंद्र न होकर उद्यमिता विकसित करने का केंद्र

भी होना है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार ने स्किल डेवलपमेंट पर पूर्ण फोकस किया है। अब इस दिशा में न केवल कार्य करना है अपितु पॉलिटेक्निक के साथ स्किल डेवलपमेंट का सेंटर भी विकसित करना है। शिक्षा रोजगारोन्मुखी होनी चाहिए, स्किल डेवलपमेंट इंस्टीट्यूट जब आप इसका संतुलन बना लेंगे तो आपकी शिक्षा स्वतः ही रोजगारोन्मुखी हो जाएगी। उन्होंने कहा कि हर युवा रोजगार हेतु शहरों की ओर भागता है इस व्यवस्था को रोकने की जरूरत है। विश्वविद्यालय के चेयरपर्सन डॉ. अरशोक कुमार गदिह ने विश्वविद्यालय की कार्य

प्रणाली से अवगत कराते हुए दावा किया कि यह देश का पहला ऐसा विश्वविद्यालय है जहां सबसे अधिक विद्यार्थी अध्ययनरत हैं। समारोह में राज्यपाल ने भारतीय प्रशासनिक सेवा के वरिष्ठ अधिकारी बीएन शर्मा को मानक पीएचडी की उपाधि प्रदान की। उन्होंने पीएचडी करने वाली को उपाधि एवं पीजी परीक्षाओं में स्वर्ण पदक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को डिग्री प्रदान कर उनका होसला बढ़ाया। विश्वविद्यालय की शैक्षणिक प्रगति के बारे में रविश्वर डी वेंकट खारपी एवं कुलपति डॉ बी के वैध ने जानकारी दी। मेवाड एज्युकेशन सोसायटी गोविंद गदिह

ने अतिथियों एवं आगंतुकों के प्रति आभार प्रकट किया। समारोह में संसद स्पीयर जोशी, पूर्व केबीनट मंत्री श्रीचंद कृपलानी, उपखण्ड अधिकारी तेजस्वी राणा, डॉ. आईएम सेठिया, विमला सेठिया, राज्यपाल कलराज मिश्र के हेलीकॉप्टर से विश्वविद्यालय में आगमन एवं विदाई के समय कार्यवाहक जिला कलेक्टर नुकेश कलाल, पुलिस अधीक्षक दीपक भागव, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सूरिता सिंह, विश्वविद्यालय के चेयरपर्सन, उपकुलपति, रजिस्ट्रार मौजूद थे।



अधिकार बताने वाले क्यो भूल जाते कर्तव्य

पत्रिका न्यूज नेटवर्क

rajasthanpatrika.com

चित्तौड़गढ़/ गंगार, अधिकारों की दुहाई देने वाले ये क्यो भूल जाते हैं कि उनके लिए सविधान के कुछ कर्तव्य भी तय किए हैं। अधिकार के नाम पर हिंसा को जायज नहीं ठहराया जा सकता।

ये विचार राज्यपाल कलराज मिश्र शनिवार को गंगार स्थित मेवाड़ विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह के मुख्य अतिथि के रूप में व्यक्त किए। उन्होंने दिल्ली में हुई हिंसा का नाम लिए बिना कहा कि हिंसा से कोई भ्रमरसद हासिल नहीं हो सकता। अपने कर्तव्यों का पालन करने पर हमें ध्यान देना होगा। मिश्र ने कहा कि विश्वविद्यालय ऐसे छात्र प्रेषित करने जो नैतिक मानदंडों की पालना करने के साथ अपने कर्तव्यों के प्रति भी निष्ठावान हों। करीब पन्द्रह मिनट के उद्बोधन में मिश्र ने छात्रों को जीवन में नैतिक कार्य करने एवं राष्ट्र, समाज व परिवार के प्रति निष्ठावान रहने का संदेश दिया। उन्होंने पीएचडी करने वालों को उपाधि एवं पीजी परीक्षाओं में स्वर्ण पदक पाने वाले छात्रों को डिग्री प्रदान की। विश्वविद्यालय की शैक्षिक प्रगति के बारे में रजिस्ट्रार डॉ. वेंकट लीपीआरए एवं कुलपति डॉ. वीके वैद्य ने जानकारी प्रदान की। आभार मेवाड़ एजुकेशन रिसोर्सट्री के सचिव गोविन्द गदिया ने जताया। संवादन कन्दन चुण्डावत एवं राजेश भट्ट ने किया। समारोह में सांसद सीपी जोशी, पूर्व मंत्री श्रीचंद कुपलानी, भाजपा जिलाध्यक्ष गौतम देव भी मौजूद थे। करीब डेढ़ घंटे तक विश्वविद्यालय में ठहराव के बाद राज्यपाल पुनः हेलिकॉप्टर से जयपुर रवाना हो गए। हेलिकॉप्टर विश्वविद्यालय परिसर में ही ठहरा



दीक्षांत समारोह में शनिवार को मौजूद विधायी एवं अतिथि।

किया गया था। राज्यपाल का स्वागत एवं बिदा करने वालों में कार्यवाहक जिला कलक्टर मुकेश कलान, पुलिस अधीक्षक दीपक भार्गव, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सरिता सिंह अदि शामिल थे।

उद्यमिता को बढ़ावा दें शिक्षा

शिक्षा ऐसी प्रदान की जाए कि यहां से डिग्री लेकर निकलने वाले नौकरी मार्गों की बजाय उद्यमशील बन नौकरी देने वाले बनें। शिक्षा उद्यमिता को बढ़ावा देने वाली होनी चाहिए। मिश्र ने एक श्लोक के माध्यम से विद्यार्थियों को समर्पित भव से अध्ययन करने के लिए प्रेरित किया।

दिलाई शपथ

राज्यपाल मिश्र ने समारोह के शुरू में उपस्थित सम्भागियों को सविधान की उद्देशिका की शपथ दिलाई। शैक्षणिक उत्कृष्टता में अक्सर रहे विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया गया। इन्फो कैंटेक की छात्रा दीक्षा कुलश्रेष्ठ, बीएससी एबीएलएच के छात्र उज्जवल खतरा, फर्मेसी की छात्रा संगीता सिंह, मेनेजमेंट के सुहेल हमीद एवं बीएससी गणित की

छात्रा नवेक्षा को सम्मानित किया गया। मंच पर मुख्यतः पीएचडी प्राप्त करने वाले के छात्र-छात्राओं को डिग्री वितरित की गई। इधर, राज्यपाल के आगमन से पहले ही मेवाड़ विश्वविद्यालय में सुरक्षा के कड़े प्रबंध किए गए। हेलिकॉप्टर व विश्वविद्यालय परिसर की डोंग स्कॉपीड के माध्यम से जांच की गई। कार्यक्रम हॉल में भी सुरक्षा के विशेष प्रबंध रहे।

डिग्रीधारकों से किया कुछ पल संवाद



राज्यपाल ने दीक्षांत समारोह कार्यक्रम के बाद रवाना होने से पहले मुख्यद्वार पर संकाय सदस्यों के साथ फोटो करवाया। इस दौरान उन्होंने डिग्री पाने

वालों कुछ छात्राओं से संवाद भी किया। छात्र-छात्राओं को कड़ी मेहनत का संदेश देने के साथ उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं दीं।



चित्तौड़गढ़ के गंगार स्थित मेवाड़ विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में मंचासी राज्यपाल एवं अन्य अतिथि।

कोई ऐसा काम मत करना जिससे सिर नीचे हो

समारोह को सम्बोधित करते हुए मेवाड़ विश्वविद्यालय के चेयरपर्सन डॉ. अशोक कुमार गदिया ने विश्वविद्यालय की कार्य प्रणाली की जानकारी देते हुए कहा कि इस विश्वविद्यालय में

25 राज्यों एवं 12 देशों के 10 हजार से अधिक बच्चे शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि शिक्षा में गुणवत्ता पर सबसे अधिक जोर दिया जा रहा है। उन्होंने विश्वविद्यालय में अध्ययन कर रहे

विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वे यहां से निकलने के बाद जिनगी में कभी कोई ऐसा कार्य नहीं करें जिससे उनके माता-पिता, शिक्षक व विश्वविद्यालय का सिर नीचा हो जाए।

आईएसए शर्मा को मानद पीएचडी उपाधि



समारोह में राज्यपाल ने भारतीय प्रशासनिक सेवा के वरिष्ठ अधिकारी वीएन शर्मा को मानद पीएचडी उपाधि प्रदान की। राज्य

में विभिन्न प्रशासनिक पदों पर सेबाएं दे चुके शर्मा वर्तमान में नेशनल एंटी प्रॉफिटिंग अथॉरिटी के चेयरमैन हैं।

